मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

एमएमटीटीसी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 34वां ऑनलाइन एनईपी ओरिएंटेशन एवं संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया

नई दिल्ली, 7 मई, 2025

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने दिनांक 6 से 16 मई 2025 तक निर्धारित 34वें ऑनलाइन एनईपी ओरिएंटेशन एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया जिसमें जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय कुलपति प्रो. मजहर आसिफ द्वारा बौद्धिक रूप से प्रेरक एवं चिंतनशील सत्र का आयोजन किया गया जो एनईपी मसौदा समिति के एक प्रतिष्ठित सदस्य भी हैं। देश भर से 100 से अधिक संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों और पीएचडी शोधार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति ने भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) के बारे में गहन अंतर्दृष्टि साझा की जिसमें प्राचीन ज्ञान को आधुनिक शैक्षिक आकांक्षाओं से सहजता से जोड़ा गया।

एमएमटीटीसी की मानद निदेशक, प्रो. कुलविंदर कौर ने सभी प्रतिभागियों और कुलपति प्रोफेसर मजहर आसिफ का गर्मजोशी से स्वागत किया और शैक्षिक सुधारों के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता एवं कई भारतीय भाषाओं, साहित्य और संस्कृति के बारे में उनके विद्वत्तापूर्ण ज्ञान की सराहना की। तदुपरांत जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक कार्य विभाग के कोर्स कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर अश्विनी कुमार सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कुलपति ने अपने व्याख्यान में इस बात पर बल दिया कि भारतीय शिक्षा का सार ज्ञान, शिक्षा एवं संस्कार के समग्र एकीकरण में निहित है। उनके व्याख्यान में एनईपी 2020 के मूल्य-आधारित समावेशी शिक्षा के दृष्टिकोण पर रोशनी डाली गई जो भारतीय परंपरा में निहित है और फिर भी अपने दृष्टिकोण में भविष्यवादी है। प्रोफेसर आसिफ का व्याख्यान भारत के गांवों और जनजातियों के रोजमर्रा के जीवन, भारतीय कला, शिल्प, स्वदेशी पौधों, जानवरों और भारतीय सभ्यता में उनके प्रतीकात्मक अर्थों से परिपूर्ण था। यह संबोधन उपस्थित लोगों के दिलो-दिमाग में गूंजता रहा क्योंकि इसने स्थायी प्रथाओं को अपनाने के लिए बौद्धिक गहराई और व्यावहारिक प्रासंगिकता दोनों की पेशकश की। एमएमटीटीसी के मानद उप निदेशक डॉ. खालिद रजा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सत्र का समापन हुआ।

प्रो साइमा सईद

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया